आस | by Ekta Sarraf

कभी तो तारोगे आकर संभालोगे
इसी आस में जी रहे हैं प्रभु

चाहे आज ना कुछ भी मेरे पास है
पर मन में प्रबल ये विश्वास है
सुन लेंगे मेरे श्याम सजन
पढ़ लेंगे मेरा भोला मन
इसी आस में जी रहे हैं प्रभु

मेरे हर दर्द की तू दवा सांवरे
मेरे हर सांस में तू बसा सांवरे
मैं जब लूँगा उसका नाम
बाहें पकड़ेगा बाबा श्याम
इसी आस में जी रहे हैं प्रभु

सारी दुनिया का तू ही कोहिनूर यही
पर भक्त तेरा बड़ा मजबूर है
राखी सुधरेंगे ये हालात
एक दिन तो बनेगी मेरी बात
इसी आस में जी रहे हैं प्रभु

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%86%e0%a4%b8-by-ekta-sarraf/